९. चुनिंदा शेर

– कैलाश सेंगर

कवि परिचय : कैलाश सेंगर जी का जन्म १६ फरवरी १९५४ को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ । सहज-सरल हिंदुस्तानी भाषा में लिखी आपकी रचनाएँ सामान्य आदमी की जिंदगी में घुली वेदना, प्रश्न, भावना और उसकी धड़कन को व्यक्त करती हैं । काव्य में किए जाने वाले मौलिक प्रयोगों और कथ्य के तीखेपन के कारण कैलाश सेंगर आज के गजलकारों में महत्त्वपूर्ण और लोकप्रिय नाम है । गजलों के अलावा गीत, कविता, कहानी, नाटक आदि विधाओं में आप लेखन करते हैं । पत्रकारिता के क्षेत्र में भी आपका उल्लेखनीय योगदान है । हिंदी के साथ-साथ मराठी भाषा पर भी आपका प्रभुत्व है । आपके लेख में प्रस्तुत विचार सोचने को बाध्य करते हैं । आपकी साहित्यिक भाषा पाठकों के मन-बुद्धि को झकझोरकर रख देती है ।

प्रमुख कृतियाँ : 'सूरज तुम्हारा है' (गजल संग्रह), 'यहाँ आदमी नहीं, जूते भी चलते हैं', 'सुबह होने का इंतजार' (कहानी संग्रह), 'अभी रात बाकी है' (अनूदित साहित्य) आदि ।

विधा परिचय : उर्दू कविता का लोकप्रिय प्रकार गजल है जिसे गढ़ने में शेरों की अहम भूमिका होती है । गजल की लोकप्रियता के फलस्वरूप इसे हिंदी ने भी अपना लिया है । गजल हिंदी में आते-आते रूमानी भावभूमि से हटकर यथार्थ की जमीन पर खड़ी हो गई है । इन शेरों द्वारा हिंदी गजलों ने अपनी अभिव्यक्ति शैली के बल पर लोकप्रियता प्राप्त की है ।

पाठ परिचय : प्रस्तुत शेरों में सामाजिक अव्यवस्था और विडंबना के विभिन्न चित्र शब्दों के माध्यम से व्यक्त किए गए हैं । इस सामाजिक अव्यवस्था में आम आदमी की अनसुनी कराहें इन शेरों के माध्यम से कवि हम तक पहुँचाने का प्रयास करता है । विवशताओं के कारण आम आदमी अपनी पीड़ा अभिव्यक्त करने में स्वयं को असमर्थ पाता है, ये शेर उन्हीं विवशताओं को व्यक्त करने का माध्यम बन जाते हैं । मनुष्य की इस विवशता को और उसे समाप्त करने के प्रयासों को कवि ने वाणी प्रदान की है ।

गजलों से खुशबू बिखराना हमको आता है ।
चट्टानों पर फूल खिलाना हमको आता है ।

× × × ×

परिंदों को शिकायत है, कभी तो सुन मेरे मालिक ।
तेरे दानों में भी शायद, लगा है घुन मेरे मालिक ।

× × × ×

हम जिंदगी के चंद सवालों में खो गए ।
सारे जवाब उनके उजालों में खो गए ।

× × × ×

चट्टानी रातों को जुगनू से वह सँवारा करती है ।
बरसों से इक सुबह हमारा नाम पुकारा करती है ।

× × × ×

वह आसमाँ पे रोज एक ख्वाब लिखता था ।
उसे पता न था वह इन्कलाब लिखता था ।

× × × ×

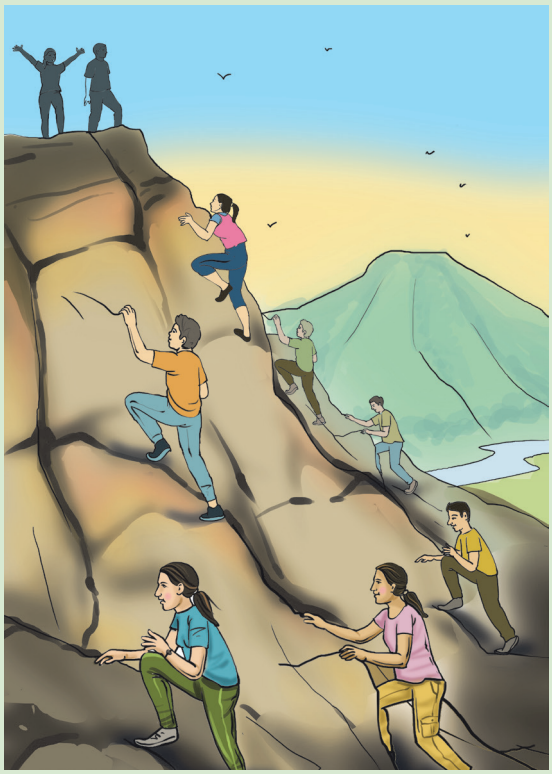

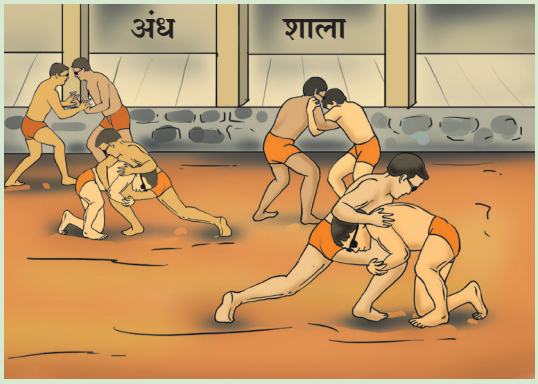

जब भी पानी किसी के सर से गुजर जाएगा ।
तब वह सीने में नई आग ही लगाएगा ।

× × × ×

आँखों में बहुत बाढ़ है, शेष सब कुशल ।
जीवन नहीं अषाढ़ है, फिर शेष सब कुशल ।

× × × ×

सड़क ने जब मेरे पैरों की उँगलियाँ देखीं;
कड़कती धूप में सीने पे बिजलियाँ देखीं ।

× × × ×

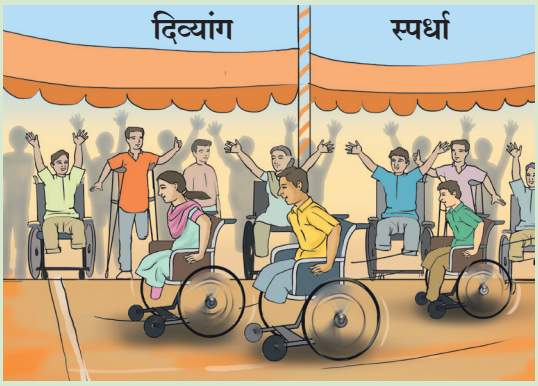

हँसी से अपने आँसुओं को छुपाकर देखो ।
नया मुखौटा ये चेहरे पे लगाकर देखो ।

× × × ×

वह फकीरों की दुआओं में असर देता है ।
आँख से इत्र बाँटने का हुनर देता है ।

× × × ×

इसमें लाशें भी मिला करती हैं, तुम जरा देख-भाल तो लेते,
इसको माँ कह के पूजनेवालो, इस नदी को खँगाल तो लेते ।

× × × ×

साँस हमारी हमें पराये धन-सी लगती है,
साहुकार के घर गिरवी कंगन-सी लगती है ।

× × × ×

किसी का सर खुला है तो किसी के पाँव बाहर हैं,
जरा ढंग से तू अपनी चादरों को बुन मेरे मालिक ।

× × × ×

वह जो मजदूर मरा है, वह निरक्षर था मगर,
अपने भीतर वह रोज, इक किताब लिखता था ।

– ('सूरज तुम्हारा है' गजल संग्रह से)

टिप्पणी

- **घुन** = एक कीड़ा जो अनाज को खाकर खोखला बनाता है ।

मुहावरे

चट्टानों पर फूल खिलाना = कड़ी मेहनत से खुशहाली पाना

सिर से पानी गुजर जाना = कष्ट या संकट का पराकाष्ठा तक पहुँच जाना, संयम अथवा सहने की सीमा समाप्त होना

आकलन

१. (अ) लिखिए :

(१) परिंदों को यह शिकायत है – .....

(२) नदी के प्रति उत्तरदायित्व – (१) .....

(२) .....

(आ) परिणाम लिखिए :

(१) पानी सर से गुजर जाएगा तो – .....

(२) कवि जिंदगी के सवालों में खो गए – .....

शब्द संपदा

२. पाठ में आए चार उर्दू शब्द और उनके हिंदी अर्थ :

..... = ...

..... = ...

..... = ...

..... = ...

अभिव्यक्ति

३. (अ) 'आकाश के तारे तोड़ लाना', इस मुहावरे को स्पष्ट कीजिए।

(आ) 'क्रांति कभी भी अपने-आप नहीं आती; वह लाई जाती है', इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

रसास्वादन

४. (अ) कवि की भावुकता और संवेदनशीलता को समझते हुए 'चुनिंदा शेर' का रसास्वादन कीजिए।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

५. (अ) कैलाश सेंगर जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम – .....

(आ) गजल इस भाषा का लोकप्रिय काव्य प्रकार है – .....

६. **कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :**

(१) एक-एक क्षण आपको भेंट कर देता हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)

.....

(२) बैजू का लहू सूख गया है । (सामान्य भूतकाल)

.....

(३) मन बहुत दुखी हुआ था । (अपूर्ण भूतकाल)

.....

(४) पढ़-लिखकर नौकरी करने लगा । (पूर्ण भूतकाल)

.....

(५) यात्रा की तिथि भी आ गई । (सामान्य वर्तमानकाल)

.....

(६) मैं पता लगाकर आता हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)

.....

(७) गर्ग साहब ने अपने वचन का पालन किया । (सामान्य भविष्यकाल)

.....

(८) मौसी कुछ नहीं बोल रही थी । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

.....

(९) सुधारक आते हैं । (पूर्ण भूतकाल)

.....

(१०) प्रकाश उसमें समा जाता है । (सामान्य भूतकाल)

.....